दैनिक भास्कर

पटना, शुक्रवार, 10 अगस्त, 2018 | 2

1.16 लाख करोड़ रुपए का प्राइवेट इक्विटी/वेंचर कैपिटल निवेश आया जनवरी से जुलाई के दौरान। ईवाई के मुताबिक यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 45% अधिक है।

डॉलर	68.68	↑0.05
पाउंड	88.53	↑0.23
यूरो	79.61	↑0.03
येन (100)	61.81	↑0.01

सेंसेक्स	38,024.37
निफ्टी	11,470.70
सोना (99.5)	30,300
चांदी (.999)	39,000

dainikbhaskar.com

दैनिक भास्कर.

रेरा का असर, 9 बड़े शहरों में घरों की डिलीवरी 33% बढ़ी

1,93,061 घरों की डिलीवरी दी गई जनवरी-जून 2018 में,

एजेंसी | नई दिल्ली

पिछले साल मई में रियल एस्टेट कानून (रेरा) लागू होने के बाद डेवलपर्स द्वारा घरों की डिलीवरी में तेजी आई है। देश के 9 बड़े शहरों में इस साल जनवरी से जून के दौरान 33% ज्यादा घरों की डिलीवरी हुई। जनवरी-जून 2017 में डेवलपर्स ने 1,44,654 खरीदारों को घर बनाकर सौंपे थे। इस साल यह संख्या बढ़कर 1,93,061 हो गई। नोएडा में सबसे ज्यादा 171% और मुंबई में 85% डिलीवरी बढ़ी है।

रियल्टी पोर्टल प्रॉपटाइगर ने एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। इसका यह भी कहना है कि 2019 के अंत तक डेवलपर 8.6 लाख घरों की डिलीवरी करेंगे। प्रॉपटाइगर के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर अंकुर धवन ने कहा कि रेरा लागू होने के बाद डेवलपर नए प्रोजेक्ट लॉन्च करने के बजाए पुराने प्रोजेक्ट पूरा करने पर ध्यान दे रहे हैं। वे प्रोजेक्ट में देरी पर लगने वाले जुर्माने से बचना चाहते हैं। डिलीवरी बढ़ने से ग्राहकों के सेंटिमेंट में सुधार होगा। इससे आने वाले त्योहारी सीजन में घरों की बिक्री बढ़ सकती है।

प्रोजेक्ट में देरी होने पर पैसे वापस लेने का बना है नियम, इसलिए बिल्डर जल्दी पूरा कर रहे हैं काम

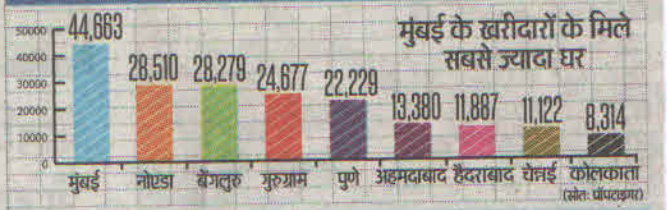

रेरा के इन 3 प्रावधानों का हो रहा है ज्यादा असर

- खरीदार और बिल्डर दोनों के लिए पेनाल्टी पर समान ब्याज का नियम है। पहले खरीदार से बिल्डर ज्यादा ब्याज वसूलते थे।
- पहले बिल्डर एक प्रोजेक्ट का पैसा दूसरे में लगा देते थे। अब ऐसा नहीं है। प्रोजेक्ट का पैसा अलग खाते में रखना पड़ता है।
- प्रोजेक्ट में देरी होने पर खरीदार बाहर निकल सकता है। पूरा रिफंड मिलेगा। रिफंड में देरी होने पर ब्याज भी मिलेगा।

रेरा के कारण ही घरों की बिक्री में 25% वृद्धि हुई : जेएलएल

नई दिल्ली | प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी फर्म जेएलएल इंडिया के अनुसार इस साल पहली छमाही में घरों की बिक्री 25% बढ़ी है। कंपनी के सीईओ रमेश नायर ने बताया कि रिजर्व बैंक दो मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरें 0.5% बढ़ा चुका है। इसके बावजूद घरों की डिमांड बढ़ रही है। इसकी प्रमुख वजह रेरा है। नायर ने कहा कि ज्यादातर राज्यों में खरीदारों का भरोसा बढ़ा है।